हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
सोमवार, 01 मार्च 2021, कानपुर, पांच प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

आयुर्वेद व कृषि वानिकी एक-दूसरे के हैं सम्पूरक

झांसी | निज संवाददाता

रविवार को प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं के साथ संस्थान के निदेशक व मुख्य अतिथि। • हिन्दुस्तान

केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान में रविवार डॉ. जी बाबू सहायक निदेशक केन्द्रीय आयुर्वेद अनुसंधान के मुख्य आतिथि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि आयुर्वेद एवं कृषि वानिकी एक-दूसरे के सम्पूरक है। क्योंकि दोनों पर्यावरण, भूमि संरक्षण तथा परती भूमि की बहाली में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। उन्होंने भारत सरकार के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के विषय पर विज्ञान तकनीकी एवं नवाचार का शिक्षा, कौशलता एवं कार्य योगदान पर सभी का विशेष ध्यान आकृर्षित किया। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ. ए अरुणाचलम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कहा कि विद्यालय के छात्र/छात्राएं झिझक के बिना विज्ञान विषय को पढ़े तथा उसको अपनी शिक्षा, कौशलता एवं कार्य में प्रयोगात्मक रूप से शामिल करें। उन्होंने विज्ञान आधारित कृषि विषय पर जोर देते हुये कहा कि खेती-बाड़ी में आधुनिक तकनीकी एवं विज्ञान का उपयोग कर ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत आरसीएआर कुलगीत से हुई। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरपी द्विवेदी ने सभी का स्वागत करते हुये राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्ता पर प्रकाश डाला। कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयेजन सर सीवी रमन द्वारा रमन इफेक्ट के खोज की घोषणा के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम में पूर्व माध्यमिक विद्यालय छतपुर ब्लॉक बबीना, के कक्षा 6 से 8वीं के 25 छात्र-छात्राओं ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें 16 छात्राओं तथा 9 छात्र मौजूद रहे। पर्यावरण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता हुई।

जिसमें कक्षा 6 के मनीष अहिरवार को प्रथम पुरस्कार, कक्षा 7वीं के नितिन प्रजापति को दूसरा, कक्षा 8वीं की अंजली अहिरवार को तीसरा पुरस्कार व कक्षा 6वीं के दीपक प्रजापति को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। साथ ही तीन गांवों में ऐसे छात्र-छात्राएं जिन्होंने 10वीं व 12वीं की कक्षा के बाद आगे पढ़ाई नहीं कर सके और गांव में रहते हैं। उन्हे विज्ञान आधारित खेती विषय पर निबंध प्रतियोगिता कराई गई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के डॉ. वी के सरकार, सहित अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, शोध छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। संचालन प्रियंका सिंह व आभार डॉ. आशाराम ने व्यक्त किया।

महानगर
वर्ष 24 | अंक 243 | पृष्ठ : 14
मूल्य : चार रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

amarujala.com

नेपाल

प्रधानमंत्री ओली ने प्रचंड को दी चुनौती, मुझे हटाकर दिखाएं...14

चित्रकला में मनीष, निबंध में रमन रहीं विजेता

केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हुई प्रतियोगिता

विज्ञान दिवस के मौके पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजयी विद्यार्थियों के साथ अतिथि।

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान में रविवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के मौके पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजित चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता में बच्चों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं कृषि वैज्ञानिकों ने विज्ञान आधारित कृषि को लेकर चर्चा की।

कार्यक्रम में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान के सहायक निदेशक डॉ जी बाबू ने कहा कि आयुर्वेद और कृषिवानिकी एक-दूसरे के संपूरक हैं, क्योंकि दोनों पर्यावरण, भूमि संरक्षण तथा परती भूमि की बहाली में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. ए अरूणाचलम ने कहा कि विद्यालय के छात्र/छात्राएं झिझक के बिना विज्ञान विषय को पढ़ें तथा उसको अपनी शिक्षा, कौशलता एवं कार्य में प्रयोगात्मक रूप से शामिल करें। उन्होंने विज्ञान आधारित कृषि विषय पर जोर दिया। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरपी द्विवेदी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बारे में बताया।

इस मौके पर बबीना ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय गांव छतपुर के कक्षा 6 से 8वीं के 25 छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें मनीष अहिरवार प्रथम, नितिन प्रजापति द्वितीय, अंजली अहिरवार तृतीय और दीपक प्रजापति को सांत्वना पुरस्कार मिला। विज्ञान-आधारित खेती विषय पर निबंध प्रतियोगिता में रमन कुमारी विश्वकर्मा प्रथम, लव कुश रजक द्वितीय, काजल यादव तृतीय और कपिल रजक को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर प्रधान अध्यापिका मंजू, लता, सह अध्यापिका गीता आर्या, सोना मिश्रा, कृपक कोमल सिंह यादव, डॉ. वीके सरकार, राजेश श्रीवास्तव, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. आशाराम मौजूद रहे।

स्वच्छता गोष्ठी में शिवानी अव्वल

झांसी। आर्यकन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम की प्रथम व द्वितीय इकाई के संयुक्त शिविर के तीसरे दिन सभी शिविरार्थियों ने कॉलेज परिसर में साफ-सफाई कर श्रमदान किया। प्रांगण में लगे हुए पौधों को पानी से सिंचित किया गया। स्वच्छता पर गोष्ठी भी हुई, जिसमें शिवानी राजा प्रथम, साक्षी द्वितीय, अंजली यादव व सुहाना बानो तृतीय स्थान पर रहीं। शाम को बौद्धिक सत्र में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मुहम्मद नईम ने शिविरार्थियों को अभिनय से जुड़े हुए संस्थानों व अभिनय क्षेत्र में कैरियर बनाने के विषय में मार्गदर्शन किया। इस दौरान डॉ. अनिल अविश्रांत, डॉ. शारदा सिंह व डॉ. स्वाती मौजूद रहीं। ब्यूरो

आज बुन्देल

आयुर्वेद एवं कृषिवानिकी एक-दूसरे के सम्पूरक :डॉ. जी. बाबू

कृषिवानिकी संस्थान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. ए. अरूणाचलम व अन्य। छाया-आज

(आज समाचार सेवा)

झांसी, 28 फरवरी। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आज डॉ जी. बाबू, सहायक निदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेद अनुसंधान, झांसी के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। अपने मुख्य आतिथ्य उद्बोधन में डॉ. बाबू ने कहा कि आयुर्वेद एवं कृषिवानिकी एक-दूसरे के सम्पूरक हैं क्योंकि दोनों पर्यावरण, भूमि संरक्षण तथा परती भूमि की बहाली में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। उन्होंने भारत सरकार के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के विषय ''विज्ञान तकनीकी एवं नवाचार का शिक्षा, कौशलता एवं कार्य में योगदान'' पर सभी का विशेष ध्यान आकर्षित किया। संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विद्यालय के छात्र/छात्रायें झिझक के बिना विज्ञान विषय को पढ़े तथा उसको अपनी शिक्षा, कौशलता एवं कार्य में प्रयोगात्मक रूप से शामिल करें। उन्होंने ''विज्ञान आधारित कृषि'' विषय पर जोर देते हुये कहा कि खेती-बाड़ी में आधुनिक तकनीकी एवं विज्ञान का उपयोग कर ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम की शुरूआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से हुई। डॉ. आर. पी. द्विवेदी, प्रधान वैज्ञानिक ने सभी का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्ता पर चर्चा करते हुये बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन सर सी.वी. रमन द्वारा रमन इफेक्ट के खोज की घोषणा के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है। उन्होंने सर सी.वी. रमन (नोबेल लॉरिट) की जीवनी एवं उनके वैज्ञानिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 28 फरवरी को सर सी.वी. रमन ने रमन इफेक्ट (रमन प्रभाव) की घोषणा की थी। सर सी.वी. रमन का जन्म 07 नवम्बर, 1888 को तमिलनाडु के तिरूवनैकोईल, त्रिचरापल्ली में हुआ था। वे भारतीय भौतिकी वैज्ञानिक थे जिनको कि सन् 1930 में भौतिक विज्ञान का नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया था। भारत सरकार ने उनको भारत रत्न पुरस्कार से नवाजा था। भारत सरकार ने सन् 1986 से 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

इस कार्यक्रम में पूर्व माध्यमिक विद्यालय ग्राम-छतपुर, ब्लॉक-बबीना, जिला-झाँसी के कक्षा 6 से 8वीं के 25 छात्र-छात्राओं ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें 16 बालिकायें तथा 9 बालकों उपस्थित रहे। ''पर्यावरण विषय'' पर चित्रकला प्रतियोगिता कराई गयी जिसमें मनीष अहिरवार कक्षा-6 को प्रथम पुरस्कार, नितिन प्रजापति कक्षा-7 को द्वितीय पुरस्कार, अंजली अहिरवार कक्षा-8 को तृतीय पुरस्कार तथा दीपक प्रजापति कक्षा-6 को सान्त्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार इन तीनों गाँवों में जो छात्र-छात्राये 10वीं एवं 12वीं की कक्षा के बाद आगे की पढ़ाई नहीं कर सके और गाँवों में रहते हैं उनके बीच ''विज्ञान-आधारित खेती'' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबन्ध प्रतियोगिता में रमन कुमारी विश्वकर्मा को प्रथम पुरस्कार, लव कुश रजक को द्वितीय पुरस्कार, काजल यादव को तृतीय पुरस्कार तथा कपिल रजक को सान्त्वना पुरस्कार मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता की निर्णायक मण्डल में प्रधान अध्यापिका श्रीमती मंजू लता एवं सह अध्यापिका श्रीमती गीता आर्या एवं सोना मिश्रा नें महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। कार्यक्रम के आयोजन में ग्राम परासई के प्रगतिशील कृषक श्री कोमल सिंह यादव ने महत्वर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम में केन्द्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झाँसी के सहायक निदेशक (फार्मेसी) डॉ. वी. के. सरकार तथा संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, शोध छात्र-छात्रायें, यंग प्रोफेशनल्स एवं शोध सहायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के आयोजन में श्री एस.पी.एस. यादव एवं श्री राजेश श्रीवास्तव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आशा राम ने किया।

www.jagran.com
रजि. नं. एसएसपीओएसजेआई-291/15-17

वर्ष - 79
अंक - 196
पृष्ठ - 16
मूल्य - 4 रुपये

झाँसी, सोमवार 1 मार्च, 2021
नगर संस्करण

दैनिक जागरण

• दिल्ली • उत्तर प्रदेश • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखंड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू कश्मीर • हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

झाँसी : कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा बनाई गई पेण्टिंग का अवलोकन करते अतिथि। ➤ जागरण

आयुर्वेद एवं कृषिवानिकी एक-दूसरे के सम्पूरक

झाँसी : केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसन्धान संस्थान में रविवार को सहायक निदेशक केन्द्रीय आयुर्वेद संस्थान डॉ. जी बाबू के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. ए अरुणाचलम ने की। अतिथि ने कहा कि आयुर्वेद एवं कृषिवानिकी एक दूसरे के सम्पूरक हैं। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण विषय पर आयोजित की गई चित्रकला प्रतियोगिता एवं निबन्ध प्रतियोगिता में में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। इसमें विजयी प्रतिभागियों को अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। निणार्यक मण्डल में मंजू लता, गीता आर्य, मोना मिश्रा शामिल रहीं। इस अवसर पर डॉ. बीके सरकार, एसपीएस यादव, राजेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

दैनिक
>>2 राज्य >>2

पृष्ठ-08, मूल्य-02.00
वर्ष-04, अंक-104

झांसी, सोमवार, 01 मार्च 2021

दर्शन पोस्ट

कृषिवानिकी संस्थान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का हुआ आयोजन

झांसी। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान में डॉ जी. बाबू, सहायक निदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेद अनुसंधान के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य आतिथ्य उद्बोधन में डॉ. बाबू ने कहा कि आयुर्वेद एवं कृषिवानिकी एक-दूसरे के सम्पूरक हैं क्योंकि दोनों पर्यावरण, भूमि संरक्षण तथा परती भूमि की बहाली में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। उन्होंने भारत सरकार के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के विषय विज्ञान तकनीकी एवं नवाचार का शिक्षा कौशलता एवं कार्य में योगदान पर सभी का विशेष ध्यान आकर्षित किया। संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरुणाचलम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विद्यालय के छात्र, छात्रायें शिक्षक के बिना विज्ञान विषय को पढ़े तथा उसको अपनी शिक्षा, कौशलता एवं कार्य में प्रयोगात्मक रूप से शामिल करें। उन्होंने विज्ञान आधारित कृषि विषय पर जोर

देते हुये कहा कि खेती-बाड़ी में आधुनिक तकनीकी एवं विज्ञान का उपयोग कर ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से हुई। डॉ. आर. पी. द्विवेदी, प्रधान वैज्ञानिक ने सभी का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व चर्चा करते हुये बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन सर सी.वी. रमन द्वारा रमन इफेक्ट के खोज की घोषणा के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है। उन्होंने सर सी.वी. रमन (नोबेल लॉरिएट) की जीवनी एवं उनके वैज्ञानिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में पूर्व माध्यमिक विद्यालय ग्राम-छतपुर, ब्लॉक-बबीना के कक्षा 6 से 8वी के 25 छात्र-छात्राओं ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें 16 बालिकायें तथा बालकों उपस्थित रहें। पर्यावरण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता कराई गयी जिसमें मनीष अहिरवार कक्षा 6 को प्रथम पुरस्कार, नितिन प्रजापति कक्षा 7 को द्वितीय पुरस्कार, अंजली अहिरवार कक्षा 8 को तृतीय पुरस्कार तथा दीपक प्रजापति कक्षा 6 को सान्त्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार इन तीनों गाँवों में जो छात्र-छात्रायें 10वी एवं 12वी की कक्षा के बाद आगे की पढ़ाई नहीं कर सके और गाँवों में रहते हैं उनके बीच विज्ञान-आधारित खेती विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबन्ध प्रतियोगिता में रमन कुमारी विश्वकर्मा को प्रथम पुरस्कार, लव कुश रजक को द्वितीय पुरस्कार, काजल यादव को तृतीय पुरस्कार तथा कपिल रजक को सान्त्वना पुरस्कार मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में ग्राम परासई के प्रगतिशील कृषक कोमल सिंह यादव ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में केन्द्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान के सहायक निदेशक (फार्मेसी) डॉ. वी. के सरकार तथा संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, शोध छात्र-छात्रायें, यंग प्रोफेशनल्स एवं शोध सहायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आशा राम ने किया।

दैनिक
जनहित दर्शन
जनता की आवाज-जनहित के साथ
मूल्य ₹ 2.00 पृष्ठ- 08
झांसी
वर्ष- 39, अंक- 10
सोमवार, 01 मार्च 2021

खास खबर >>> भारतीय रेलवे- परिवर्तन के ...04 >>> करोड़ो की लागत से बनी उपगल्ला ...05 >>> कोरोना वैक्सीन पर तेजी काम करने ...07

Email : janhit.darshan@rediffmail.com Mob. 9455932909 Phone & Fax 0510-2380363 +91-7309620431 janhitdarshan.in

कृषिवानिकी संस्थान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन सम्पन्न

झाँसी। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान में डॉ जी. बाबू, सहायक निदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेद अनुसंधान के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य आतिथ्य उदबोधन में डॉ. बाबू ने कहा कि आयुर्वेद एवं कृषिवानिकी एक-दूसरे के सम्पूरक हैं क्योंकि दोनों पर्यावरण, भूमि संरक्षण तथा परती भूमि की बहाली में महत्वपूर्ण योगदान करते है। उन्होंने भारत सरकार के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के विषय विज्ञान तकनीकी एवं नवाचार का शिक्षा कौशलता एवं कार्य में योगदान पर सभी का विशेष ध्यान आकर्षित किया। संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विद्यालय के छात्र, छात्रायें झिझक के बिना विज्ञान विषय को पढ़े तथा उस्को अपनी शिक्षा, कौशलता एवं कार्य में प्रयोगात्मक रूप से शामिल करें। उन्होंने विज्ञान आधारित कृषि विषय पर जोर देते हुये कहा कि खेती-बाड़ी में आधुनिक तकनीकी एवं विज्ञान का उपयोग कर ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरूआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से हुई। डॉ. आर. पी. द्विवेदी, प्रधान वैज्ञानिक ने सभी का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्ता चर्चा करते हुये बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन सर सी.वी. रमन द्वारा रमन इफेक्ट के खोज की घोषणा के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है। उन्होंने सर सी.वी. रमन (नोबेल लॉरेट) की जीवनी एवं उनके वैज्ञानिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में पूर्व माध्यमिक विद्यालय ग्राम-छतपुर, ब्लॉक-बबीना के कक्षा 6 से 8वीं के 25 छात्र-छात्राओं ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें 16 बालिकायें तथा बालकों उपस्थित रहे। पर्यावरण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता कराई गयी जिसमें मनीष अहिरवार कक्षा 6 को प्रथम पुरस्कार, नितिन प्रजापति कक्षा 7 को द्वितीय पुरस्कार, अंजली अहिरवार कक्षा 8 को तृतीय पुरस्कार तथा दीपक प्रजापति कक्षा 6 को सान्त्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार इन तीनों गाँवों में जो छात्र-छात्राये 10वीं एवं 12वीं की कक्षा के बाद आगे की पढ़ाई नहीं कर सके और गाँवों में रहते हैं उनके बीच विज्ञान-आधारित खेती विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबन्ध प्रतियोगिता में रमन कुमारी विश्वकर्मा को प्रथम पुरस्कार, लव कुश रजक को द्वितीय पुरस्कार. काजल यादव को तृतीय पुरस्कार तथा कपिल रजक को सान्त्वना पुरस्कार मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में ग्राम परासई के प्रगतिशील कृषक कोमल सिंह यादव ने महत्वर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में केन्द्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान के सहायक निदेशक (फार्मेसी) डॉ. वी. के सरकार तथा संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, शोध छात्र-छात्रायें, यंग प्रोफेशनल्स एवं शोध सहायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आशा राम ने किया।